कमीशनखोरी पर बिक रही चिन्हित स्कूलों की किताबें

प्राइवेट स्कूल संचालकों और पुस्तक विक्रेताओं की मिलीभगत से पनप रहा शिक्षा माफिया, किताबों के नाम पर हो रही खुलेआम लूट

विश्वनाथ श्रीवास,
भिंड, 8 जुलाई। शहर में संचालित निजी स्कूलों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। अब स्कूलों की किताबों के नाम पर अभिभावकों की जेब पर डाका डाला जा रहा है। शहर के कई निजी स्कूल संचालक कुछ चिन्हित पुस्तक विक्रेताओं से मिलकर किताबों को अधिक दामों में बेचवा रहे हैं और इसके पीछे बड़ा कमीशन खेल चल रहा है। इस पूरे खेल से न केवल अभिभावक आर्थिक रूप से परेशान हैं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं कलेक्टर डॉ. संजीव श्रीवास्तव द्वारा शिक्षा माफिया पर रोक लगाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्कूल संचालकों और दुकानदारों की मिलीभगत थमने का नाम नहीं ले रही।

यहां बता दें, कि शहर के निजी स्कूलों द्वारा अपने यहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों पर दबाव बनाया जा रहा है कि वे स्कूल की किताबें सिर्फ चिन्हित दुकानों से ही खरीदें। इन दुकानों पर किताबों की कीमतें बाजार भाव से कई गुना अधिक होती हैं। नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी की किताबें जहां 2 हजार रुपए से 3 हजार रुपए तक बेची जा रही हैं, वहीं कक्षा 2 से 4 तक की किताबें 2200 रुपए से 3500 रुपए तक की कीमत पर उपलब्ध हैं।

इन दुकानों पर ज्यादा गोलमाल:
- बालवाड़ी पुस्तक भंडार
- विजय सर बुक डिपो
- सुविधा बुक डिपो
- विशाल बुक डिपो

अभिभावकों की पीड़ा: बच्चों के भविष्य की चिंता में माता-पिता बिना विरोध किए किताबें खरीदने को मजबूर हैं। हर साल किताबों की कीमत बढ़ जाती है और हमें यह तक नहीं बताया जाता कि ये किताबें वास्तव में कितने में मिलती हैं। जो दुकानदार मनचाहा दाम लेता है, उससे ही लेने के लिए कहा जाता है, एक अभिभावक ने नाराजगी जताते हुए कहा।

प्रशासन और शिक्षा विभाग से अपील: शहर के सामाजिक संगठनों और कई अभिभावकों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि शिक्षा के नाम पर इस तरह की अवैध वसूली को रोका जाना चाहिए और हर स्कूल को पुस्तक विक्रेताओं की मनमानी पर लगाम लगाने के निर्देश दिए जाएं। यदि समय रहते इस कमीशनखोरी पर रोक नहीं लगाई गई तो यह पूरी व्यवस्था न केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगी, बल्कि शिक्षा को एक व्यवसायिक सौदे में तब्दील कर देगी।

– अखिल बुक डिपो

इन सभी दुकानों पर किताबों की रेट लिस्ट मनमानी है और किसी प्रकार की सरकारी या सार्वजनिक सूची का पालन नहीं किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो पुस्तक भंडार संचालक स्कूल प्रबंधन को मोटी रकम कमीशन के रूप में देते हैं और बाद में किताबों की कीमत में कई गुना बढ़ोतरी कर उस रकम की वसूली करते हैं।

शिक्षा माफिया में नया नाम जुड़ा: इस बार अभिभावकों की शिकायतों में मुकेश एंड कंपनी पुस्तक भंडार का नाम भी तेजी से सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि यह दुकान कुछ स्कूलों की किताबें सिर्फ 25त्न कमीशन लेकर बेच रही है, लेकिन इसके बावजूद किताबों की कीमतें बाजार से काफी अधिक हैं।

अभिभावक शिकायत करें, कार्रवाई हम करेंगे

जिन भी स्कूलों की किताबें चिह्नित दुकान पर मिल रही है। इस संबंध में अभिभावक लिखित में हमें डायरेक्ट शिकायत करें, कार्रवाई हम करेंगे।

संजीव श्रीवास्तव, कलेक्टर, भिंड

प्राइवेट कोचिंग व विद्यालय के खिलाफ खोला मोर्चा

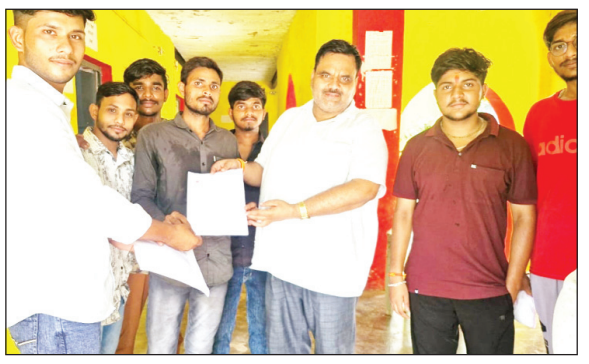

नवभारत न्यूज
गोहद, 8 जुलाई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विकास खंड शिक्षा आधिकारी गोहद को तहसील भर में संचालित हो रही नियम विरुद्ध चल रही कोचिंग सेंटर व विद्यालय पर कार्यवाही हेतु सौंपा ज्ञापन । एबीवीपी गोहद के नगर मंत्री ललित शुक्ला ने ज्ञापन देते हुए बताया नगर में निजी कोचिंग संचालक कर रहे अपनी मनमानी जिसमें बिना रजिस्ट्रेशन , अनियंत्रित फीस , झूठे दावे जैसे रैंक का प्रलोभन , आयु संबंधित शिक्षक, क्षमता के हिसाब से बैठक, कोचिंग सेंटर के मापदंड जैसे आईडी कार्ड, सीसीटीवी कैमरा, आपातकालीन निकाश, अग्नि रोधक वस्तु, टॉयलेट, वाहन पार्किंग, इसके साथ ही बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटर जोकि बिल्कुल अनुचित है , साथ ही शासकीय शिक्षक द्वारा प्राइवेट कोचिंग संचालित किए जाने की भी बात कही । प्राइवेट विद्यालय भी नियम विरुद्ध अभिभावको पर एक दुकान से किताबें व स्कूल ड्रेस लेने का दबाव बना रहे है जिसे लेकर अभिभावक भी परेशान है । अत: ज्ञापन देते हुए सात दिवस का समय देते हुए आंदोलन करने की चेतावनी दी। जिसमें प्रवीण कुमार शर्मा, सूरज भारद्वाज , आनंद ओझा , मोहित रासवेदी, अंकुर ओझा, अंकुर सक्सेना, भव्य गुप्ता, नरसी कुशवाह, मोहित कटारे सहित अन्य छात्र नेता उपस्थित रहे ।

एसडीओपी ने कोचिंग का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज
मेहगांव, 8जुलाई। कस्वे संचालित कोचिंग सेंटरो से मिल रही अव्यवस्थाओ की शिकायतों के चलते आज एसडीओपी संजय कौच्छा व्दारा कस्वे मे संचालित दर्जन भर सेटरों पर किया निरीक्षण,कोंचिग सेंटरो पर साफ सफाई एंव सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम बनाऐ रखने के किये निर्देश जारी, कोंचिग सेटरो के बाहर लगवाऐ जांय सीसीटीव्ही कैमरे,प्रवेश द्वार पर सीढ़ीयों की उचित दूरी एंव फायर सुरक्षा व बिजली व्यवस्था के हो इंतजाम,साथ ही क्षात्र क्षात्राओ को ट्रेफिक नियमो की जानकारी देते हुऐ क्षात्राओ को संबोधित करते हुऐ कहा कि शिक्षा संस्थानो पर आवागमन के चलते रास्ते मे कभी भी किसी प्रकार की असुबिधा महसूस हो तो तत्काल बिना भय के पुलिस को सूचित करे पुलिस आपकी सहायता के लिए है,एकाग्रता व स्वस्थ बिचारो के साथ अपना अध्ययन अध्यापन करे स्वस्थ मन ही बिध्या अध्ययन की प्रथम सीढी है।

विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई से 11 अगस्त तक मनाया जाएगा

मुरैना। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व जनसंख्या दिवस अभियान 11 जुलाई से 18 जुलाई तक मनाया जाना है। इस बार यह अभियान विश्व जनसंख्या स्थिरता माह के रूप में मनाया जायेगा। सीएमएचओ डॉ. पद्मेश उपाध्याय द्वारा बताया गया कि जन समुदाय में परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई गर्भनिरोधक साधनों के संबंध में मैदानी स्वास्थ्य कार्यकताओ एएनएम, पर्यवेक्षक एवं आशा कार्यकताओ के द्वारा योग्य दम्पत्ति को प्रेरित कर महिला एवं पुरूष नसबंदी कराई जायेगी।

ट्रांसफॉर्मर की चिंगारी की आग से गन्ने की रस की गुमटी जलकर खाक

दमकल एक घंटे देर से पहुंची, 40 हजार रुपए का नुकसान, बिजली विभाग पर आरोप

नवभारत न्यूज
भिंड, 8 जुलाई। शहर के मंशापूर्ण हनुमान मंदिर के पास मंगलवार दोपहर को एक बड़ा हादसा हुआ, जब पशु अस्पताल के सामने ट्रांसफॉर्मर से गिरी चिंगारी से एक गन्ने के रस की गुमटी में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही मिनटों में पूरी गुमटी जलकर खाक हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर से अचानक चिंगारी गिरी, जिसने गुमटी को चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही गुमटी धू-धू कर जलने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने दमकल विभाग को फोन कर सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड करीब एक घंटे की देरी से पहुंची, तब तक गुमटी पूरी तरह जल चुकी थी। गुमटी संचालक रिंकू बाथम ने बताया कि वह आग लगने के समय मौजूद नहीं था। गुमटी में रखा आईस बॉक्स, पंखा, तखत, मोटर, लकड़ी का फर्नीचर और 8 कुर्सियां पूरी तरह जलकर राख हो गईं। संचालक ने करीब 40 हजार रुपये के नुकसान की बात कही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर की स्थिति पहले से खराब थी और उससे लगातार चिंगारियां गिर रही थीं। बिजली विभाग को कई बार इसकी शिकायत भी की गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि ट्रांसफॉर्मर के नीचे गुमटी लगवाना भी नियमों के विरुद्ध था, बावजूद इसके प्रशासन और बिजली विभाग आंखें मूंदे रहे। घटना के समय फायर ब्रिगेड के देर से पहुंचने और बिजली विभाग की अनदेखी के कारण स्थानीय लोगों में गहरा रोष है। उन्होंने ट्रांसफॉर्मर की स्थिति की तत्काल जांच और सुधार की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो सकें। घटना के तुरंत बाद स्थानीय नागरिकों ने बाल्टी और डिब्बों से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। लोगों ने फायर ब्रिगेड की धीमी कार्यप्रणाली और बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। गुमटी संचालक रिंकू बाथम ने प्रशासन से मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि यह उसकी रोजी-रोटी का साधन था, जो अब पूरी तरह से खत्म हो गया है।

माँ के नाम पेड़ लगाएं और वृक्ष बनने तक सेवा करें – मंत्री शुक्ला

नवभारत न्यूज
मेहगांव,8 जुलाई। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने अपने भाई एवं अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ जनक गार्डन ग्वालियर रोड़ मेहगांव में व गोरमी मे मां के नाम कार्यक्रम के तहत आज गोरमी मंडल के थाना रोड स्थित मुक्तिधाम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम मे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी माताश्री श्रीमती रामश्री शुक्ला के नाम पौधारोपण किया। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने पौधरोपण कर नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पेड़ों से मानव जीवन का अस्तित्व है, पेड़ हम सभी के जीवन रक्षक हैं। पेड़ वातावरण के तापमान को कम करते हैं और हमें एक सुंदर और स्वच्छ प्राणवायु प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि हम सभी यदि आज पेड़ लगाएंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि पेड़ों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हम सभी को जागरूक होना होगा और अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे, ताकि भविष्य में मानव जीवन के लिए उत्पन्न होने वाले जलवायु परिवर्तन के खतरे को रोका जा सके और पृथ्वी पर जीवन को एक सुरक्षित भविष्य दिया जा सके इस मौके पर राजेश शुक्ला पूर्व महाधिवक्ता मध्यप्रदेश उच्चन्यायालय कौशल उर्फ लला मिश्रा मंडल उपाध्यक्ष रामसेवक राठौर केशव राठौर पार्षद मुन्नी नरवरिया अनूप लहारिया राजेश त्यागी ह्रदेश त्यागी शिवप्रताप सिंह भदौरिया जोगेंद्र सिंह राठौर रामू जादोंन अरविंद भदौरिया मंडल महामंत्री रामभुवन परमार कालीचरण शाक्य मंडल महामंत्री रामभरोसे जाटव सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डंपर का टायर फटने से हेल्पर का पैर फ्रैक्चर गंभीर चोट

नवभारत न्यूज
मेहगांव,8 जुलाई। घटना मेहगांव थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम खैरिया बाग पर सोमवार मंगलवार की रात 2:00 की है जहां एक डंपर ट्रक का साइड लेने के चक्कर में टायर फट गया, जिसमे डंपर के हेल्पर का पैर टूट गया घटना की जानकारी मिलते ही मेहगांव थाना पुलिस के जवान, और मेहगांव थाना 108 एमरजैंसी एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची। प्राप्त जानकारी के अनुसार डंपर उत्तर प्रदेश से ग्वालियर के लिए गिटटी भरने के लिए जा रहा था, कि मेहगांव निकलते ही बरहद गांव के आगे खेरिया बाग ग्राम पर साइड लेने के चक्कर में डंपर का टायर फट गया, और डंपर अनियंत्रित हो गया जिस कारण ट्रक में सो रहे हेल्पर धर्मेंद्र पुत्र तोताराम शर्मा उम्र 35 निवासी कुसमरा उत्तर प्रदेश का पैर डंफर में फंसने के कारण टूट गया, राहगीरों ने तुरंत घटना की सूचना 108 इमरजेंसी एंबुलेंस और मेहगांव थाना पुलिस को दी,घटना की जानकारी मिलती ही मेहगांव थाना पुलिस जवान और 108 इमरजेंसी एंबुलेंस पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी अपने साथी ईएमटी वीनेश तत्काल मौके पर पहुंचे, पुलिस के जवानों ने भी तुरंत डंपर में फंसे हुए हेल्पर को डंपर से बाहर निकला, तत्परता दिखाते हुए घायल मरीज धर्मेंद्र को तुरंत 108 इमरजेंसी एंबुलेंस से शीघ्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, प्राथमिक उपचार के बाद, डॉक्टर प्रेम गुर्जर ने, पैर में फैक्चर होने के कारण, डंपर हेल्पर धर्मेंद्र को अस्पताल परिसर में मौके पर खड़ी हुई मेहगांव थाना 108 एम्बुलेंस से तुरंत जिला अस्पताल भिंड के लिए रेफर कर दिय।

कलेक्टर ने ओवरलोडिंग पर दी कड़ी चेतावनी

भिंड। जिले के कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने नियमों की अनदेखी कर रहे बस चालकों पर सख्ती दिखाते हुए मंगलवार को लहार चुंगी चौराहे पर एक यात्री बस को ओवरलोडिंग के चलते तत्काल रुकवाया। कलेक्टर ने देखा कि बस में निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक यात्री सवार थे, यहां तक कि बस की छत पर भी दर्जनों लोग बैठे हुए पाए गए। मौके पर पहुंचकर कलेक्टर श्रीवास्तव ने न सिर्फ बस को रुकवाया, बल्कि स्वयं आगे बढ़कर बस की जांच की और ड्राइवर को नीचे उतरवाया। उन्होंने चालक को कड़ी फटकार लगाई और यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए बस को खाली करवाया। मौके पर उपस्थित आमजन ने कलेक्टर के इस सजग एवं सक्रिय कदम की सराहना की। कलेक्टर ने बस ड्राइवर को चेतावनी देते हुए कहा कि आगे से यदि ओवरलोडिंग जैसी लापरवाही दोबारा की गई तो दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यात्री बसों में इस प्रकार की मनमानी से दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है ।

विधायक कुशवाह ने प्रभारी मंत्री से की भेंट, भिंड विकास को लेकर हुई चर्चा

नवभारत न्यूज
भिंड,8 जुलाई। मंगलवार को भोपाल प्रवास के दौरान भिंड विधानसभा से विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने मध्यप्रदेश शासन के भिंड जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से शिष्टाचार भेंट की। यह भेंट सौजन्य मुलाकात तो थी, लेकिन इस दौरान भिंड जिले के समग्र विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने प्रभारी मंत्री पटेल को भिंड जिले की वर्तमान विकास परियोजनाओं, अधूरे कार्यों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कों की स्थिति, किसानों की समस्याएं तथा जल प्रबंधन जैसे अहम मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करते हुए उनके त्वरित समाधान हेतु प्रयास करने की बात कही। प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भी विधायक की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि भिंड जिले के सर्वांगीण विकास के लिए शासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भिंड की जनता को बेहतर सुविधाएं और योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से मिले, इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। विधायक कुशवाह की इस सक्रियता से भिंडवासियों में उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में जिले को विकास की नई दिशा मिलेगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों में मीनू अनुसार भोजन नहीं, एसडीएम ने जताई सख्त नाराजगी

लहार एसडीएम ने रौन क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को सुधारने के दिए कड़े निर्देश

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 8 जुलाई। लहार एसडीएम विजय सिंह यादव द्वारा क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से निरंतर निरीक्षण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने मंगलवार को रौन क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 01, 07, 551 एवं बिरखड़ी आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सामने आया कि सभी केंद्रों पर दर्ज बच्चों की संख्या 50 से अधिक होने के बावजूद कहीं उपस्थिति शून्य तो कहीं केवल कुछ ही बच्चे उपस्थित मिले। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि केंद्रों की उपस्थिति में गंभीर अनियमितताएं हैं। इसके अतिरिक्त, स्व सहायता समूहों द्वारा बच्चों को दिए जा रहे नाश्ते की गुणवत्ता भी अत्यंत निम्न स्तर की पाई गई। अधिकांश केंद्रों पर केवल 10 से 12 बच्चों को नाममात्र का पोहा या चावल नाश्ते के रूप में दिया गया, जो न तो शासन के निर्धारित मीनू के अनुसार था, न ही पोषण की दृष्टि से उपयुक्त। गौरतलब है कि शासन द्वारा प्रति बच्चे के हिसाब से 8 रुपये प्रतिदिन का भुगतान स्व सहायता समूहों को किया जाता है, जिसमें 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के साथ ही गर्भवती व धात्री महिलाओं को भी पोषण युक्त भोजन उपलब्ध कराना अनिवार्य है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सुपरवाइजरों ने बताया कि शिव शक्ति एवं शक्ति स्वरूपा समूह, जो कि मिहोना के इम्लाह गांव से भोजन भेजते हैं, न तो मीनू के अनुसार खाना भेजते हैं और न ही गर्म व गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराते हैं।

एसडीएम श्री यादव ने इसे शासन के दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुए परियोजना अधिकारी रौन को निर्देश दिए कि ऐसे समूहों को तत्काल हटाया जाए।

सुपरवाइजरों की लापरवाही पर भी गिरी गाज: एसडीएम यादव ने निरीक्षण से पूर्व शहरी क्षेत्र की सुपरवाइजर पप्पी देवी और रिंकी राजावत को मौके पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे, परंतु दोनों अनुपस्थित पाई गईं। जब एसडीएम स्वयं परियोजना कार्यालय रौन पहुंचे, तो वहां एक भी सुपरवाइजर उपस्थित नहीं मिली।

एसडीएम ने तत्काल परियोजना कार्यालय का रजिस्टर तहसीलदार रौन को सुपुर्द करते हुए निर्देश दिए कि अब से सभी सुपरवाइजर अपनी उपस्थिति प्रतिदिन तहसील कार्यालय में दर्ज करेंगी। इस कड़ी कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि लहार प्रशासन आंगनबाड़ी केंद्रों की उपेक्षा और बच्चों के पोषण से कोई समझौता नहीं करेगा। यह निरीक्षण न सिर्फ शासन की मंशा के अनुरूप था, बल्कि समाज के सबसे नाजुक वर्ग – बच्चों और माताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम भी माना जा रहा है।

बकाया मजदूरी दिलवाकर श्रमिक को राहत

भिंड। प्रशासन की तत्परता और जनसुनवाई की प्रभावशीलता एक बार फिर साबित हुई है। टीकमगढ़ निवासी श्रमिक कैलाश वंशकार को 6 महीने से लंबित पड़ी 15 हजार रुपए की बकाया मजदूरी प्राप्त हो गई। यह संभव हो सका जिला कलेक्टर डॉ. संजीव श्रीवास्तव के निर्देशन में संचालित जनसुनवाई और श्रम विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते। टीकमगढ़ निवासी श्रमिक कैलाश वंशकार ने बताया कि 10 जून 2025 को आयोजित जनसुनवाई में कैलाश वंशकार ने अपने साथ हुए अन्याय की बात रखते हुए आवेदन सौंपा। उसने बताया कि वह मकान निर्माण कार्य में कार्यरत था, लेकिन मकान मालिक मनोज कुशवाह, निवासी कारे का पुरा, द्वारा 6 माह से मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा था।

मलेरिया विभाग की टीम ने किया लार्वा सर्वे

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए जागरूकता भी फैलाई

नवभारत न्यूज
भिंड,8 जुलाई। मलेरिया विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र में संचारी रोगों की रोकथाम हेतु लार्वा सर्वे अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान कर बीमारियों जैसे कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और फाइलेरिया (हाथी पाँव) जैसी घातक बीमारियों को फैलने से रोकना रहा। सर्वे के दौरान विभागीय टीम ने घर-घर जाकर पानी की टंकियों, कूलरों, गमलों और अन्य जल स्त्रोतों की गहनता से जांच की। इस दौरान कई स्थानों पर मच्छरों के लार्वा पनपते पाए गए, जिन्हें तत्परता से नष्ट किया गया। साथ ही टीम ने नागरिकों को जागरूक करते हुए बताया कि नियमित साफ-सफाई और जल निकासी से इन बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। अभियान में नीरज त्यागी, उदयवीर सिंह, संजीव दुबे, साद अली सहित अन्य कर्मचारीगण शामिल रहे। टीम ने लोगों को मच्छरदानी के प्रयोग, कूलरों को सप्ताह में कम से कम एक बार खाली कर साफ करने, पानी की टंकियों को ढककर रखने और आसपास जलजमाव न होने देने की सलाह दी। मलेरिया विभाग की टीम ने नागरिकों से सहयोग और सजगता की अपील करते हुए कहा कि मच्छरों के खिलाफ यह लड़ाई सामूहिक प्रयास से ही जीती जा सकती है।

जनसुनवाई में सुनी गई पीड़ा, दिव्यांग को मिली ट्राई-साइकिल

भिंड। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित शासन की महत्वाकांक्षी जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजन की समस्याएं सुनने और उनके निराकरण हेतु प्रशासन ने मानवीय संवेदनाओं के साथ तत्परता दिखाई। जनसुनवाई की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुनील दुबे ने की। इस दौरान 85 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान किया गया और अन्य को संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम रतनूपुरा निवासी दिव्यांग होम सिंह पुत्र दाताराम ने अपनी समस्या रखते हुए बताया कि दिव्यांगता के कारण दैनिक कार्यों में अत्यधिक परेशानी होती है। इस पर सीईओ श्री दुबे ने सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मौके पर ही ट्राई-साइकिल एवं बैसाखी दिलवाई। समस्या के त्वरित समाधान पर भावुक होम सिंह ने प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि अब मैं स्वतंत्र रूप से अपने कार्य कर सकूंगा।

वृद्ध आवेदक को मिला आश्रय:वार्ड क्रमांक 11, महावीर नगर, भिण्ड निवासी वृद्ध कल्याण सिंह पुत्र छेदीलाल ने जनसुनवाई में बताया कि उनके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं है, वे बीमार हैं और सुन भी नहीं सकते। उन्होंने वृद्धाश्रम में रहने की इच्छा जाहिर की। सीईओ श्री दुबे ने इसे गंभीर मानवीय विषय मानते हुए तत्काल वृद्धाश्रम में भर्ती कराने के निर्देश दिए। सामाजिक न्याय विभाग की टीम द्वारा उन्हें वृद्धाश्रम पहुंचाया गया, जहां उन्होंने प्रसन्नता के साथ प्रवेश लिया। बुजुर्ग श्री कल्याण सिंह ने भावभीने शब्दों में जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब जीवन की इस संध्या में कम से कम चैन से तो रहूंगा।